NCERT Solutions for Class 12 Hindi (Antra)

Chapter 7 – बारहमासा

अति लघु उत्तरीय प्रश्न **(1अंक)**

1) कविता "बारहमासा" में नागमती के कितने माह का वियोग का वर्णन किया है ?

उत्तर: कविता "बारहमासा" में नागमती के चार माह के वियोग का वर्णन किया गया हैं |

2) निम्न का विलोंम शब्द लिखिए |

उत्तर: 1) दुःख – सुख

2) जल – थल , निर्जल |

3) निम्न शब्दो के शब्दार्थ लिखिए |

उत्तर: 1) रकत – खून , रक्त

2) सैचान – एक पक्षी जिसका नाम राजा हैं बाज , श्येन

3) दारुन – मुश्किल , अधिक

4) निम्न शब्दो के पर्यायवाची लिखिए |

उत्तर: 1) पवन – हवा, वायु ,

2) दीपक – चिराग , दीया

3) मोर – मयूर , नीलकंठ

5) रक्त ढरा __________ सब संख | रिक्त स्थान को पूरा करो |

उत्तर: रक्त ढरा <u>माँसू गरा हाड़ भए</u> सब संख |

लघु उत्तरीय प्रश्न **(2अंक)**

1) "बारहमास" कविता कहाँ से ली गयी हैं ?

उत्तर: "बारहमास" कविता मालिक मुहम्मद जायसी के प्रसिद्ध प्रबंधकाव्य ' पद्मावत ' के 'नागमती वियोग खंड' से लिया गया है |

2) इस कविता में किसका वर्णन किया गया ?

उत्तर: इस कविता मे सिंहल देश की राजकुमारी पद्मावती और चितौड़ के राजा रत्नसेन से प्रेम की कथा हैं | अथवा राजा रत्नसेन और पद्मावती के मिलन और नागमती के विरह का वर्णन किया गया हैं |

3) कविता "बारहमास" में नागमती के कितने माह के वियोग का वर्णन है है उनके नाम लिखिए |

उत्तर: कविता "बारहमासा" मे नागमती के चार माह के वियोग का वर्णन हैं | अगहन , पूस , माघ , फागुन महीनो का वर्णन है |

4) "ज्यों दीपक बाती" से कवि का क्या अभिप्राय हैं ?

उत्तर: कवि नागमती के वियोग को बताते हुए कहते है कि नागमती वियोग में जल रही हैं , जिस प्रकार दीपक की बाती जलती हैं |

5) "बारहमास" कविता में विशेष क्या है ?

उत्तर: कविता मे नागमती के वियोग का वर्णन किया गया है | वियोग रस का प्रयोग किया गया है | कविता मे लयात्मक्ता है , भावो के अनुकूल भाषा का प्रयोग उचित रूप से किया गया है

लघु उत्तरीय प्रश्न **(3 अंक)**

1) अगहन देवस घटा निसि बाढ़ी | दूभर दुःख सो जाइ किमि काढ़ी || इन पंक्तिओ का आशय स्पष्ट करो|

उत्तर: इन पन्क्तिओ में कवि कहता हैं विरहिणी नायिका ठंड के मौसम में वियोग आतुर होकर कह रहीं है कि अगहन के महीने में रात में काली- काली घटाएं बढ़ी चली आ रही हैं | मेरा विरह रुपी दुःख बढ़ रहा है अगहन के महीनो में दिन छोटे और राते बड़ी हो गई हैं जिसके कारण विरहिणी नायिका के लिए लंबी राते काटना मुश्किल हो गया है |

2) अब धनि देवस बिरह भा रातकरो जरै बिरह ज्यों दीपक बाती || इन पन्क्तिओ का आशय स्पष्ट करे |

उत्तर: इन पन्क्तिओ में कवि कहते हैं कि हैं नागमती का विरह रूपी दुःख बढ़ रहा हैं | इस वियोग रूपी दुःख के कारण विरहिणी नागमती का अब दिन गुजारना भी मुश्किल हो गया हैं |

3) काँपा हिया जनावा सीऊ |

तौ पै जाइ होइ सँग पीऊ ||

इन पंक्तियों का आशय स्पष्ट करे |

उत्तर: इन पन्क्तिओ में कवि कहते है कि इस दर्द भरी सर्दी में नागमती का ह्रदय अपने पति के वियोग में कांप रहा है उन्हें बाहर की सर्दी से भी ठंड नहीं लग रही है वह कहते हैं कि नागमती का कलेजा वियोग की ठंड में काँप रहा हैं ऐसे मौसम में यदि पिया पास हो , तभी चैन मिलता हैं|

4) घर घर चिर रचा सब काँहु |

मोर रूप रंग लै गा नाहू ||

इन पन्क्तिओ का आशय स्पष्ट करें |

उत्तर: इन पन्क्तिओ में कवि कहते हैं कि घर घर में हर व्यक्ति चिर (वस्त्र) लेकर मौज मना रहा हैं | लेकिन नागमती कहती हैं कि मेरे प्राणधार तुम जल्दी से आ जाओ | मेरी सुंदरता किस काम की ? तुम्हारे साथ साथ मेरी सुंदरता भी चली गई | तुम जो गए तो लौट के फिर नही आए | नागमती कहती हैं की तुम लौट कर आओगे तब मेरी सुंदरता भी लौट आएगी |

5) पिया सौं कहेहु सँदेसरा ऐ भँवरा ऐ काग |

सौ धनि बिरहे जरि गई तेहिका धुआँ हम लाग ||

इन पन्क्तिओ का आशय स्पष्ट करें |

उत्तर – इन पन्क्तिओ मे कवि कहते हैं कि नागमती इतना ज्यादा दुखी हो गयी हैं कि वह भवरे और कौवे को कहती है कि तुम मेरे प्रिय के पास जाओ और उन्हें यह संदेश दो की उनकी प्रिये उनके वियोग में तड़प रही हैं और कहती है कि उनसे बोलना कि उनकी प्रियतमा विरह रूपी अग्नि में जल रही हैं जिसके काले धुँए से वह काली हो गयी हैं |

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न **(5 अंक)**

1) ' जीयत खाइ मुएँ नाहि छाँड़ा' पंक्ति के संदर्भ में नायिका की विरह-दशा का वर्णन अपने शब्दो में कीजिए |

उत्तर: इन पन्क्तिओ में बताया गया हैं की चील कौए बाज़ आदि पक्षी मुर्दे के मांस को नही छोड़ते अर्थात मरे हुए जीव का मांस खाते है किन्तु विरह रुपी बाज़ पक्षी नागमती को जीते जी मर रहा हैं | यहाँ विरह की उपमा बाज़ पक्षी से की की गई हैं | बाज़ पक्षी तो जीव क मांस खता है इसलिए वह जीव मर जाता हैं किन्तु विरह तो इंसान क जीते जी मार देता हैं|

2) माघ महीने में विरहिणी को क्या लगता है ?

उत्तर: माघ महीने में विरहिणी नायिका पिया -वियोग में पाला पड़ने की वज़ह से जड़वत हो गयी है| पति के बिना भारी ठंडी भी रजाई ओढ़ने से जा नहीं रहीं हैं | विरहिणी जिया पिया के बिना काँप रहा है | नागमती कहती है कि विरह के कारण उनकी आँखों से बहने वाला आँसू भी ऐसा प्रतीत हो रहा हैं जैसे बादल पानी बरसा रहे हो | उनकी आँखों से निकलने वाले आँसू उन्हें बहुत कष्टप्रदाय लग रहे हैं इस पद में विरहिणी की वेदना का मार्मिक चित्रण प्रस्तुत किया गया हैं |

3) पिया सौ कहेहु सँदेसरा ऐ काग सौ धनि बिरहे जरि गई तेहिक धुआँ हम लाग || इन पन्क्तिओ का आशय स्पष्ट करें |

उत्तर: इस पद में विरह अग्नि के कारण कौए और भवरे को काळा रंग से चित्रित किया गया हैं | नायिका कहती है कि हे पक्षिओं तुम मेरे पिया को यह संदेशा देना तुम्हारी पत्नी जिस अग्नि में जल रही हैं वह उसी के धुँए में जलकर काली हो गयी हैं अर्थात वह अपने पति से मिलने के लिए व्याकुल हो रही हैं |

4) रकत ढरा माँसू गरा हाड़ भए सब संख |

धनि सारस होइ ररि मुई आइ समेटहु पँख ||

इन पन्क्तिओ का आशय स्पष्ट करें |

उत्तर – इस पद में नागमती का खून ढल गया , मांस गल गया हैं , हड्डियाँ शंख की तरह सूख गई है | अपने पति के वियोग में नागमती सारस की तरह पतली हो गई हैं आकर उसके पँख समेट लो | कहने का अभिप्राय है कि पति वियोग में नागमती सुखकर काँटा हो गई है तुम जल्दी से आजाओ उसको मरने से पहले बचा लो उसे तुम्हारा इंतजार है

5) तुम्ह बिनु कंता धनि हरुई तन तितिनु भा डोल |

तेहि पर बिरह जराई कै चहै उड़ावा झोल ||

इन पन्क्तिओ का आशय स्पष्ट करे |

उत्तर: इस पद में पति के बिना पत्नी पेड़ की पत्तिओ की भांति हो गयी है | एक पवन का झोका जैसे पत्ते को उड़ा ले जाता है ऐसे ही छोटे- सा दुःख भी नष्ट करने में समर्थ हैं | इस विरह रूपी अग्नि तुम्हारी विरहणिनी को जलाती रहती है | कवि ने इस पद के द्वारा नागमती के विरह क मार्मिक दशा का चित्रण किया हैं |